नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

5 घातक हमले में 11 बच्चे समेत 20 की मौत

6 मोदी युग ने भारत को नए सिरे से परिभाषित किया

7 रिलायंस-मेटा बनाएंगे एआई-डेटा सेंटर

11 ब्रूक नंबर 1 और गिल नंबर आठ पर पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा

12 साल में 7 से 22 राज्यों में बीजेपी की बनी सरकार

4399 दिन निर्वाचित पीएम के रूप में किए पूरे

नई दिल्ली, 10 जून. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश कांग्रेस के कुचक्र और कुसंस्कृति से आजाद हुआ है। उन्होंने कहा कि एक समय देश को यह विश्वास दिलाया गया था कि विकास केवल धीमी गति से ही हो सकता है और इसी सोच को अलग-अलग नाम देकर प्रस्तुत किया गया. प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में न गवर्नेंस थी, न नीति, न नीयत और न ही निर्णय लेने की क्षमता। उन्होंने कहा कि उस दौर की नाकामी शासन व्यवस्था की थी, लेकिन उसका दोष समाज पर मढ़ने की कोशिश की गई. प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 4,399 दिन निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पूरे होने पर उनका विशेष सम्मान किया गया। इसके साथ ही उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 4,398 दिनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और वर्तमान में उनका तीसरा कार्यकाल चल रहा है।

जनता और एनडीए परिवार का जताया आभार

1. प्रधानमंत्री ने कहा कि 12 वर्षों की यह यात्रा उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एनडीए के सभी सहयोगी दलों और कार्यकर्ताओं की सामूहिक सफलता है। 12 साल में पीएम मोदी के नेतृत्व में 7 से 22 राज्यों में बीजेपी की सरकार बन गई है.
2. प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की जनता ने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक स्थिरता के महत्व को समझा है।
3. प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का सपना अब किसी व्यक्ति या दल का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक का सपना बन चुका है।
4. प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में देश में 74 एयरपोर्ट थे, जो 2026 में बढ़कर 160 हो गए हैं।6,700 किलोमीटर एक्सप्रेसवे और 20 से अधिक शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार हुआ है। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 25 करोड़ से बढ़कर 100 करोड़ हो गई है.

फीफा विश्व कप 2026 मेक्सिको, कनाडा और यूएसए में आरंभ हो रहा है।

एक नजर में

आज नीति आयोग की बैठक में भाग लेंगे मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे. नीति आयोग के अनुसार यह बैठक राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र में होगी और प्रधानमंत्री के टीम इंडिया के विजन के अनुरूप विकसित भारत के लक्ष्य के अंतर्गत इस वर्ष का विषय 2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास है. इसका उद्देश्य आयु, क्षेत्र, लिंग या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना प्रत्येक भारतीय के कल्याण और विकास पर ध्यान केंद्रित करना है.

आज नीति आयोग की बैठक में शामिल होने दिल्ली पहुंचे सीएम

- दिल्ली में पीएम मोदी की अध्यक्षता में होगी बैठक
- राज्यों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल शामिल होंगे

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 10 जून. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक 11 जून को नई दिल्ली में होने जा रही है. बैठक का विषय 2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास रखा गया है.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस अति महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने बुधवार को नई दिल्ली पहुंच चुके हैं. इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री और उप राज्यपाल एक साथ मिलकर समावेशी मानव विकास प्रारूप पर चर्चा करेंगे.

तीन करोड़ की रिश्वत मामले में दिल्ली पुलिस का इंस्पेक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 10 जून. केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के एक निरीक्षक को कथित तौर पर हवाला कारोबारी के जरिए रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है. यह रिश्वत पुडुचेरी के एक व्यक्ति और उसके साथी को सीबीआई के मामलों में राहत दिलाने के बदले ली जा रही थी. आरोप है कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा में तैनात निरीक्षक प्रदीप सिंह ने आरोपियों की मुलाकात एक अज्ञात वरिष्ठ लोक सेवक से कराई थी, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह एक प्रशासनिक या पुलिस सेवा का अधिकारी है.

मीनाक्षी को नहीं मिली राहत, अब सुको का सहारा

नई दिल्ली, 10 जून. मध्य प्रदेश की राज्यसभा सीट को लेकर जारी राजनीतिक विवाद में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन रद्द होने के मामले में चुनाव आयोग से भी पार्टी को राहत नहीं मिली है.

सूत्रों के अनुसार आयोग ने कांग्रेस की याचिका खारिज कर दी है, जिससे मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द रहने का रास्ता साफ हो गया है. अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ही कांग्रेस के सामने अंतिम विकल्प के रूप में बचा है. मीनाक्षी नटराजन का नामांकन भोपाल में रिटर्निंग अधिकारी द्वारा रद्द किया गया था. इसके बाद

नामांकन रद्द रखने के फैसले पर अड़ा आयोग

कांग्रेस ने फैसले को चुनौती देते हुए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया. बुधवार को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से मिला, जिसमें वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल, भूपेश बघेल और रणदीप सिंह सुरजेवाला शामिल थे. प्रतिनिधिमंडल ने आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए नामांकन रद्द करने के निर्णय को गलत और नियमों के विपरीत बताया। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि मीनाक्षी नटराजन का नामांकन सभी निर्धारित नियमों के अनुरूप था और उसे निरस्त करना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है. पार्टी ने मामले की समीक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग भी की। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक आयोग ने इस अपील को स्वीकार नहीं किया. चुनाव आयोग के रुख के बाद कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर की.

> कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी अब सर्वोच्च न्यायालय का रुख करेगी. उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया और कहा कि कानूनी लड़ाई जारी रहेगी. विवाद की शुरुआत तब हुई जब भाजपा ने मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पर आपत्ति दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने तेलंगाना में लंबित एक आपराधिक मामले की जानकारी अपने नामांकन पत्र में नहीं दी.

पार्टी ने आरोप लगाया कि उसके उम्मीदवार के साथ भेदभाव किया गया है.

उरी एलओसी में धमाके में सेना के दो जवान शहीद

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर के कमलकोट इलाके में नियंत्रण रेखा के पास हुए एक धमाके में भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए. यह घटना मंगलवार देर शाम की बताई जा रही है, जब इलाके में अचानक विस्फोट हुआ और दोनों जवान गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल जवानों को तुरंत सेना के चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया,

19 सांसदों के नाम से सियासत गरमाई

- शत्रुघ्न से सायोनी तक, बागी सूची ने बढ़ाई ममता की चिंता
- दिल्ली दौरे के बीच टीएमसी को झटका, 19 सांसदों पर नजर

कोलकाता, 11 जून. पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में अंदरूनी कलह और राजनीतिक असंतोष की चर्चाओं के बीच 19 सांसदों के कथित बागी समूह की सूची सामने आने से राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है.

यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब मुख्यमंत्री एवं पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी दिल्ली दौरा पूरा कर कोलकाता लौटी हैं. सूची में कई चर्चित और बड़े नाम शामिल हैं, जिनमें अभिनेता एवं सांसद शत्रुघ्न सिन्हा, पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान, सांसद काकोली घोष, सायोनी घोष, दीपक अधिकारी (देव), शताब्दी रॉय और रचना बनर्जी जैसे नेता शामिल हैं.

ये हैं बागी सांसदों के नाम

सांसद का नाम	लोकसभा क्षेत्र	सांसद का नाम	लोकसभा क्षेत्र
काकोली घोष	बारासात	दीपक अधिकारी	घाटाल
जगदीश चंद्र बसुनिया	कूचबिहार	कालीपद सोरेन	झाड़ग्राम
खलीलुर रहमान	जंगीपुर	जून मालिया	मेदिनीपुर
यूसुफ पठान	बहरामपुर	अरूप चक्रवर्ती	बांकुड़ा
अबू ताहिर खान	मुर्शिदाबाद	डॉ. शर्मिला सरकार	वर्धमान पूर्व
पार्थ भौमिक	बैरकपुर	शत्रुघ्न सिन्हा	आसनसोल
बापी हलदार	मथुरापुर	असित कुमार माल	बोलपुर
सायोनी घोष	जादवपुर	शताब्दी रॉय	बीरभूम
माला रॉय	कोलकाता दक्षिण	रचना बनर्जी	हुगली
मिताली बाग	आरामबाग	--	--

गुस्ताखी माफ

छापे में मिला 9 .5 करोड़ का खजाना

- 30 साल की नौकरी में वैध आय से 241% अधिक संपत्ति
- बंगला, डिपार्टमेंटल स्टोर और 11 कीमती भूखंडों का खुलासा

नव भारत न्यूज

इंदौर. लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक के ठिकानों पर एक साथ छापा मार कार्रवाई की है.

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय को मिली गोपनीय सूत्र सूचना के बाद शुरू हुई इस कार्रवाई ने प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा दिया है. आरोपी अधिकारी ने अपने 30 साल के सेवाकाल में पद का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार करते हुए अपनी वैध आय से 241 प्रतिशत अधिक अनुपातहीन संपत्ति अर्जित की है, जिसकी शुरुआती सत्यापित कीमत ही करीब 9.5 करोड़ रुपए आंकी गई है. लोकायुक्त एसपी राजेश सहाय को शिकायत मिली थी कि महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर में पदस्थ संयुक्त संचालक लक्ष्मी नारायण कंडवाल ने अपने सेवाकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार कर अकूत बेनामी संपत्ति खड़ी की है. (शेष पेज 7 पर)

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संकट काल | कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी से हुई मुलाकात

कवच के रूप में टीएमसी को कांग्रेस का साथ

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,10 जून. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद बहुस्तरीय संकटों से जूझ रहीं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी व उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी से मुलाकात कोई सामान्य मुलाकात नहीं है बल्कि इसे राजनीति में नए समीकरण का उदय व सकारात्मक संदेश का आगाज माना जा रहा है.

> राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस मुलाकात के राजनीतिक मायने केवल बंगाल तक सीमित नहीं हैं. यह घटनाक्रम देश की विपक्षी राजनीति में क्षेत्रीय दलों के घटते प्रभाव और कांग्रेस के पुनरुत्थान को रेखांकित कर रहा है. कल तक जो क्षेत्रीय क्षत्रप कांग्रेस को दरकिनार कर खुद विपक्षी एकता का चेहरा बनने की होड़ में थे, आज वे अपने वजूद को बचाने के लिए उसी कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करने पर विवश हैं.

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि यह मुलाकात महज इंडिया समूह के समन्वय की सामान्य कवायद नहीं है, बल्कि गहरे आंतरिक संकट से घिरी एक क्षेत्रीय पार्टी की राष्ट्रीय शरणस्थली तलाशने की छटपटाहट है. वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रही है. ऐसे में क्षेत्रीय राजनीति में अलग-थलग पड़ चुकीं ममता बनर्जी के लिए देश की सबसे पुरानी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस की शरण में जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं सूझा. बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी ने जिस कांग्रेस से बगावत कर टीएमसी को सत्ता तक पहुंचाया, वही आज अपने दल में मचे उथल-पुथल व बगावत से दल को बचाने और एक राजनीतिक कवच तैयार करने के लिए कांग्रेसी सहयोग पाने की कोशिश में हैं. (शेष पेज 7 पर)